दैनिक

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : ०८ | अंक:८५ | मुंबई, बुधवार १० जुलाई २०२४ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामला: मुख्य आरोपी मिहिर शाह गिरफ्तार

रविवार को मुंबई के वर्ली में तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू द्वारा कावेरी नामक एक महिला को कुचलने के कुछ घंटों बाद, मुख्य आरोपी और ड्राइवर मिहिर शाह को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, कावेरी की रविवार सुबह मुंबई के वर्ली इलाके में उसके दोपहिया वाहन को बीएमडब्ल्यू द्वारा टक्कर मारने के बाद मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि कथित तौर पर सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना नेता राजेश शाह के बेटे मिहिर शाह चला रहे थे। गिरफ्तारी 9 जुलाई, मंगलवार को की गई. इससे पहले मंगलवार को मृतक कावेरी नखवा के पति प्रदीप लीलाधर नखवा रो पड़े और मामले में मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी में देरी पर कड़ा सवाल उठाया। पीटीआई से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने उसे रुकने के लिए कहा, फिर भी वह नहीं रुका, वह भाग गया। वह (मृतका) बहुत दर्द में रही होगी। यह बात हर कोई जानता है लेकिन कोई कुछ नहीं कर रहा है। गरीबों के लिए कोई नहीं।'

भाईंदर रेलवे स्टेशन पर पिता और पुत्र ने चलती ट्रेन के नीचे कूदकर कर ली आत्महत्या!

भायंदर : भायंदर रेलवे स्टेशन के पास एक पिता और पुत्र ने चलती ट्रेन के नीचे कूदकर आत्महत्या कर ली. घटना सोमवार सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे की है. इनके नाम हरीश मेहता (60) और जय मेहता (30) हैं। वसई रेलवे पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि उन्होंने आत्महत्या क्यों की। मेहता परिवार वसंत नगरी, वसई में रहता है। हरीश मेहता (60) और उनके बेटे जय मेहता (30) के शव सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे भयंदर रेलवे स्टेशन के पास पटरियों पर पाए गए। वसई रेलवे पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, मेहता पिता-पुत्र सोमवार सुबह भाईंदर रेलवे स्टेशन आए थे। प्लेटफॉर्म नंबर 6 से उतरने के बाद वे रेलवे ट्रैक के किनारे-किनारे मीरा रोड की ओर चल दिए। कुछ दूरी पर लोकल ट्रेन की टक्कर से उनकी मौत हो गई. सीसीटीवी में दिख रहा है कि वे उतरकर चले गए। पुलिस इंस्पेक्टर गणपत तुम्बाडा ने बताया कि यह स्पष्ट है कि इन दोनों ने आत्महत्या की है. रेलवे पुलिस ने कहा, हम जांच कर रहे हैं कि उसने आत्महत्या क्यों की।

महाविकास आघाडी की तेज रफ्तार पर नकेल कसने के लिए अजीत पवार ने ढूंढ लिया है तोड़

विधानसभा में एनसीपी के रणनीतिकार नरेश अरोडा को सौंपी जिम्मेदारी

■ मो. सईद शेख

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की तैयारियां जारी है। डिप्टी सीएम अजीत पवार की अगुवाई वाली एन सी पी ने चुनावी रणनीतिकार का चुनाव भी कर लिया है।

खबर है की एन सी पी ने नरेश रोड़ा को विधानसभा चुनाव की रणनीति का जिम्मा सौंपा है। खास बात है कि हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में महा युवती खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। सोमवार को एन सी पी ने चुनावी तैयारियों के लिए रणनीतिकार नरेश रोड़ा से हाथ मिला लिया। डिप्टी सी एम पवार ने वरिष्ठ नेताओं प्रफुल पटेल और सुनील तटकरे की मौजूदगी में पार्टी कार्यकर्ता ओ को सम्बोधित किया। अरोड़ा कैंपियन मैनेजमेंट कंपनी डिजाइन बॉक्स चलाते हैं और खास बात है कि अरोड़ा पहले भी राजस्थान और कर्नाटक समेत कांग्रेस के लिए कई चुनावी अभियान संभाल चुके हैं। खबर है की बैठक के दौरान अरोड़ा ने विधानसभा चुनाव के लिए ब्रांडिंग और स्ट्रेटेजी पर चर्चा की है। सूत्रों के हवाले से बताया गया, एन सी पी ने मतदाताओं तक पहुँच बढ़ाने के लिए 90 डे प्लान तैयार किया है। इसके तहत वित्त मंत्री अजीत पवार की तरफ से घोषित लोकप्रिय योजनाओं का प्रचार किया जाएगा। पिछले साल जुलाई में अजीत पवार ने अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत करते हुए महाराष्ट्र विधान सभा में पार्टी के 2 तिहाई से अधिक विधायकों के समर्थन का हवाला देकर चुनाव चुनने के साथ साथ पार्टी का नाम एनसीपी पर भी दावा किया। आयोग ने अजीत पवार गुट के दावे को सही ठहराया और शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट को लोकसभा चुनावों के मद्देनजर अंतरिम उपाय के तौर पर नया नाम चुनने को कहा। शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी महाराष्ट्र में 10 लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ा और 8 पर जीत हासिल की। जबकि अजीत पवार की एनसीपी ने 5 सीटों पर चुनाव लड़ा और 1 पर ही जीत हासिल कर पाए। नमस्कार मैं हूँ मानक गुप्ता अगर आपको हमारा यह वीडियो पसंद आया हो तो इसे लाइक और शेयर जरूर करें और हाँ हमें सबस्क्राइब और फॉलो करना न भूलें ताकि आप देश और दुनिया की कोई खबर मिस न करें तो जुड़े रहिये हमारे साथ और देखते रहिये न्यूज़ ट्वेंटी फोर।

यह मेरा ही घर है, बस रास्ता भूल गया था मैं अपने घर में फिर लौट आया- वसंत मोरे

वसंत मोरे ने फिर से बांधा शिवबंधन

मुन्ना मुजावर

एमएनएस के बाद अब वसंत मोरे ने भी वंचितों का पक्ष लिया है. आज उन्होंने ठाकरे समूह के प्रमुख उद्धव ठाकरे की मौजूदगी में अपने हाथों पर शिवबंधन बांधा है. दिलचस्प बात यह है कि उनके साथ पुणे के 23 मनसे नेता और पदाधिकारी भी ठाकरे समूह में शामिल हुए हैं। इसलिए आगामी लोकसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में मनसे के लिए यह बड़ा झटका होने वाला है. इस बार बोलते हुए मोरे ने जवाब दिया कि ये मेरी पार्टी एंट्री नहीं है बल्कि मैं घर लौट आया हूं. इस अवसर पर बोलते हुए, वसंत मोरे ने कहा, 'मैं 1993 में पहली बार शाखा प्रमुख बना था। मैं 12वीं पास करने के बाद शाखा प्रमुख था। मैं 16 साल की उम्र में शिव सैनिक में शामिल हो गया था। यह मेरा नहीं है।' प्रवेश। मैं शिवसेना में वापस आ गया हूं। मैं वादा करता हूं कि हम सभी पुणे में एक ताकत बनाएंगे।'' वसंत मोरे ने कहा, ''मेरे साथ पुणे के कई नेता घर लौट आए हैं।''

उद्धव ठाकरे ने यह भी कहा, 'हम देख रहे थे कि वसंतराव क्या करेंगे. वह पहले शिवसैनिक बने. आप यह अनुभव लेकर घर लौटे हैं कि शिवसेना छोड़ने के बाद आपको सम्मान मिलता है या नहीं. तो आपके ऊपर बड़ी जिम्मेदारी है. अब उनकी सजा है कि उन्होंने लोकसभा चुनाव में पुणे में शिवसेना की ताकत बढ़ाई, यह लोकतंत्र के लिए था कि पुणे को सत्ता परिवर्तन का केंद्र बनाया जाए, हम पुणे को भगवा बनाना चाहते हैं', उद्धव ठाकरे ने कहा।

इस मौके पर संजय राउत ने कहा, ''मैं वसंत तात्या का स्वागत करता हूं. बहुत दिनों के बाद बारिश हुई है और वसंत खिल गया है. काफी समय से इस बात पर चर्चा चल रही थी कि वसंत मोरे क्या करेंगे. आखिरकार उन्होंने मंदिर में प्रवेश कर लिया है.'' मातोश्री के। वह पहले एक शिवसैनिक थे। उनके आने से निश्चित रूप से पुणे में शिवसेना की ताकत बढ़ने वाली है।'' मोरे के पीछे कार्यकर्ताओं की ताकत है इस बीच मोरे ने एंट्री से पहले एक न्यूज चैनल से बातचीत की। इस मौके पर उन्होंने कहा, ''यह मेरा पहला शक्ति प्रदर्शन नहीं है. जनता की ताकत हमेशा मेरे पीछे है. वसंत मोरे के पीछे कार्यकर्ताओं की ताकत है. पिछले 17 साल से एक अलग राजनीति रही है'' पुणे शहर में आज एमएनएस के लगभग 17 शाखा अध्यक्ष, 5 उप-विभागीय अध्यक्ष, 1 शहर अध्यक्ष, पर्यावरण बल के कई अधिकारी, परिवहन बल के अधिकारी, मथाडी के अधिकारी सभी मेरे साथ प्रवेश कर रहे हैं', वसंत मोरे ने कहा।

महाराष्ट्र में महायुति का विकास चरम पर

अमरावती में देश का पहला स्विमिंग पुल अस्पताल

■ सुनील इंगोले

अमरावती- सोमवार की रात भारी बारिश से जिला सामान्य अस्पताल (इर्विन) का आपातकालीन कक्ष पूरी तरह से भर गया था क्योंकि जिला सामान्य अस्पताल के सामने सड़क से पूरा पानी अस्पताल में घुस गया था। साथ ही अस्पताल की इमारत पुराना होने के कारण कई वार्डों में भी रिसाव हो रहा था. ऐसी ही तस्वीर जिला महिला अस्पताल डफरिन में देखने को मिली, जहां कुछ वार्डों में पानी टपक रहा था। निर्माण विभाग ने अस्पताल के प्रवेश द्वारों की ऊंचाई बढ़ा दी है। इसलिए अस्पताल प्रशासन की ओर से कहां जा रहा था, कि बाहर की सड़क से बारिश का पानी दोबारा अस्पताल क्षेत्र में पानी नहीं आएगा. लेकिन आधी रात को हुई बारिश से एक बार फिर अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में पानी भर गया. इस समय दुर्घटना कक्ष में आपातकालीन मरीजों का इलाज किया जा रहा था। यहां डॉक्टर और नर्स भी थे. वह ऐसे ही पानी में मरीजों की सेवा कर रहे थे. बारिश के पानी के साथ सड़क की गंदगी और कचरा भी अस्पताल में आता था, इसलिए इसे साफ करना एक बडी कसरत है।

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

बारिश के पानी को बचाने के लिए करने होंगे नए उपाय

भारत में बारिश के 8 फ़ीसदी पानी को ही हम संचित कर पाते हैं। शेष पानी नदियों से बहते हुए समुद्र में चला जाता है। बारिश के पानी का हम संचयन कर सकें, तो काफी हद तक जल संकट से निपटा जा सकता है। छोटी-छोटी योजना बनाकर बेहतर तरीके से पेयजल और भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने की दिशा में बेहतर उपाय करने होंगे। हमें बारिश के पानी की बहुत अधिक जरूरत है। भारत में भूमिगत जल स्तर बड़ी तेजी के साथ गिर रहा है। खेती किसानी के काम में भी भूमिगत जल स्तर का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। जिसके कारण साल दर साल जल स्तर गिरता ही जा रहा है। भारत की बहुत बड़ी आबादी पेय जल संकट से 1 माह से लेकर 3 माह तक जूझती रहती है। पानी के कारण कई हिस्सों से पलायन होता है। देश में पिछले 75 सालों से पानी को लेकर हम कई अभियान संचालित कर रहे हैं। उसके बाद भी केवल 8 फीसदी बारिश का जल ही हम बचाने में सफल हो पा रहे हैं। यह बड़ी चिंता का विषय है। 1947 में भारत में 6042 क्यूबिक मीटर पानी की उपलब्धता थी। जो 2021 में घटकर 1486 रह गई है। पर्यावरण विद् ज्ञानेंद्र रावत के अनुसार भारत में हर व्यक्ति को रोजाना लगभग 150 लीटर पानी की जरूरत होती है। लापरवाही के कारण 45 लीटर पानी रोजाना बर्बाद कर दिया जाता है। भारत सरकार अभी भी शुद्ध पेयजल अपने नागरिकों को उपलब्ध नहीं कर पा रही है। प्राकृतिक जल स्रोतों के ऊपर भारत सरकार का ध्यान नहीं है, जैसा होना चाहिए। देश के अधिकांश जल स्रोत इस समय संकट में है। कुआं, तालाब और पोखरों का रख-रखाव नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण बारिश के जल का जो संग्रहण प्राकृतिक रूप से होता था वह भी अब नहीं हो पा रहा है। अधिकतर जलाशयों का उपयोग मछली पालन और खेती किसानी के लिए होने लगा है। भूमिगत जल स्तर बहुत नीचे चले जाने से कुआं और नलकूप खनन के जरिए जो पानी पेयजल एवं अन्य कामों के लिए उपलब्ध होता था, वह भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। हैंड पंप 4 से 5 महीने ही पानी दे पा रहे हैं। सरकार के साथ-साथ स्थानीय संस्थाओं, सामाजिक एवं पारिवारिक गतिविधियों में हम प्राकृतिक जल संसाधनों का अत्याधिक दोहन तो कर लेते हैं। प्राकृतिक जल के रखरखाव और जल संग्रहण को लेकर जो काम हमें करने चाहिए, वह नहीं कर रहे हैं। वर्तमान में जो जल स्रोत हैं। उनके आसपास मिट्टी का जमा हो जाना। समय-समय पर उनकी सफाई नहीं होना, बढ़ते जल संकट का बड़ा कारण है। भारत में हर साल बारिश के समय देश के अधिकांश राज्यों में बाढ़ की समस्या होती है। बारिश का जल हम बह जाने देते हैं। बाढ़ के समय नदियों और नालों का जल स्तर काफी ऊंचाई पर पहुंच जाता है। बारिश के पानी को संग्रहित करने की कोई योजना बनाएं। बाढ़ के पानी को भी बड़ी मात्रा में निचले क्षेत्रों में आसानी से संग्रहित किया जा सकता है। इस दिशा में अभी तक कोई काम भारत में नहीं हुआ है।

करबला जंग और मोहर्रम की क्या है हकीकत

1400 साल पहले एक आदमी ने मानवता को बचाने के लिए अपना सबकुछ खो दिया

हजरत अमीर मुआविया रदिअल्लाहो ताला अनहो के विसाल के बाद आपके बेटे यजीद को खिलाफत मिल जाती है। यजीद 1 बदतरीन और बदबख्त शैतान था, शराबी था, जानी था। यजीद को जब खिलाफत मिली तो यजीद समझ गया की मेरी इस खिलाफत को हजरत इमाम हुसैन रदिअल्लाहो ताला अनहो कभी को भूल नहीं करेंगे। इसलिए यजीद ने मदीना मुनवरा के गवर्नर वलीद बिन उतवहकोखद लिखा कि हुसैन इबने अली, अबदुल्लाह इबने उमर और अबदुल्लाह इबने जुबेर रदि अल्लाहु ताला अनहो मेरी बैत को माने। अगर वो बात न माने तो उन पर जुल्म सितम करना। इमाम हुसैन रदिअल्लाहो ताला अन्हों ने यजीद की बेहद करने से इनकार कर दिया। क्योंकि यजीद आपके नजदीक मुसलमानों की इमामत और खिलाफत के हरगिज लायक नहीं था। क्योंकि आप जानते थे यजीद फासको फाजिर था, जानी था, शराबी था और जालिम था। इमाम हुसैन रदिअल्लाहो ताला अन्हों मदीना शरीफ छोड़कर मक्का शरीफ तशरीफ ले आये। अब आपको मक्का शरीफ में कूफियों के ढेर सारे खत आने लगे। उन खातों में लिखा हुआ था एमाम हुसैन आप कुफा तशरीफ ले आइए। यहाँ पर यजीद का जुल्मो सितम बढ़ता चला जा रहा है। हम आपसे ही बैठ करेंगे, यजीद की बेंत हमें हरगिज कुबूल नहीं है। आपने हालात को समझने के लिए अपने भाई मुस्लिम बिन अकील रदिअल्लाहो ताला अनहो को यह कह कर कूफा भेजा कि जाओ जाकर वहाँ के हालात मालूम करो, वहाँ के हालात कैसे हैं। जब हजरत मुस्लिम बिन अकील रदीअलहोोकुफा पहुचे तो वहाँ के लोगों ने बड़े ही एहतराम के साथ आपका इस्तकबाल किया। हज़रत मुस्लिम बिन अकील के हाथों में 18 हज़ार लोगों ने बैठ कर ली और हज़रत मुस्लिम बिन अकील ने अपने भाई हजरत इमाम हुसैन के नाम 1 खत रवाना कर दिया। जिसमें आपने लिखा कि यहाँ के हालात बिल्कुल सही हैं और 18 हज़ार लोगों ने वेद भी कर ली है। लिहाजा आप कूफा जल्द से जल्द तशरीफ ले आए। लेकिन जब यजीद ने उन लोगों को धमकियां दी तो वो लोग अपनी बात से मुकर गए और इमाम मुस्लिम बिन अकील को शहीद कर दिया। कुफा के हालात इतने बदल चुके थे कि वो लोग जो हजरत मुस्लिम बिन अकील से मुहब्बत का दावा कर रहे थे अब वही लोग आपकी जान के दुश्मन बन गए। वहीं दूसरी तरफ मक्का में मुस्लिम बिन अकील का भेजा हुआ। खत हजरत इमाम हुसैन तक पहुँच चुका था जिस खत में लिखा हुआ था कि कूफा के हालात बहुत अच्छे हैं, आप जल्द से जल्द तसरीफ ले आए। लिहाजा। हजरत इमाम हुसैन ने फौरन कूफा जाने की तैयारी शुरू कर दी। हजरत इमाम हुसैन अपने तमाम अहले खाना के साथ कूफ़ा के लिए रवाना हुए। यहाँ इमाम हुसैन कूफा के लिए चल पड़े। इमाम हुसैन इबने अली को हजरत मुस्लिम बिन अकील की शहादत और कूफा की बेवफाई की खबर उस वक्त मिली जब आप मक्का शरीफ से कूफा की तरफ रवाना हो चुके थे। जब आप कुफा शहर के बिल्कुल करीब पहुंच गए तो आपको यजीदी फौज ने रोकने की कोशिश की। हजरत माम हुसैन ने फरमाया कि मैं तुम लोगों के बुलाने पर ही कूफा शहर में आया हूँ। अगर तुम लोग चाहते हो कि मैं कूफा में न आऊं तो मुझे वापस जाने।2 मैं जाने के लिए तैयार हूँ। यजीदी फौज ने हजरत इमाम हुसैन को कूफा शहर में दाखिल नहीं होने दिया। लिहाजा हजरत इमाम हुसैन ने अपने पूरे काफिले के साथ अपना रास्ता बदल लिया। चलते चलते जब आप 1 चटियल मैदान में पहुंच गए तो आपने 1 शख्स से सवाल किया कि ये कौन सी जगह है। उस शख्स ने कहा इस जगह को करबला कहा जाता है। आपने फौरन अपने पूरे लश्कर को हुक्म दिया कि यहीं पर खेमा लगा दिया जाए। लिहाजा इस तरह से हजरत इमाम हुसैन करबला में पहुंचे उधर यजीदी फौज को जब इस बात का इल्म हुआ के हजरत इमाम हुसैन ने अपना खेमा करबला के मैदान में लगाया हुआ है तो यजीदी फौज ने भी फौरन करबला के मैदान में पहुंचना शुरू कर दिया। यजीद की जो फौज करबला पहुंच रही थी उनकी सिपह सालार अपने साथ कर रहा था। हजरत इमाम हुसैन ने अपने साथ से कहा कि या तो तुम मुझे यजीद के पास ले चलो या फिर मुझे अपने शहर मक्का वापस जाने। 2 लेकिन अपने साथ ने इन दोनों बातों में से कोई भी बात को भूल नहीं की और वो आपको बैत करने पर मजबूर करता रहा। लेकिन आपने उसकी 1 भी बात नहीं मानी। दिन गुजरते गए और 3 मुहर्रम का दिन आ गया। अब जालिम यजीद ने इमाम हुसैन के सामने 22 हजार सिपाहियों का लश्कर भेज दिया। दूसरी तरफ हसत इमाम हुसैन के साथ 82 लोग थे जिसमें औरतें और बच्चे भी शामिल थे। कितनी हैरत की बात है कि यजीदियों में इमाम हुसैन का इतना खौफ था कि जहाँ इमाम हुसैन सिर्फ 82 लोगों के साथ मैदाने करबला में थे जिसमें औरतें और बच्चे भी शामिल थे वहीं यजीद ने मुकाबले के लिए आपके सामने 22 हजार का लश्कर भेज दिया जो कि इमाम हुसैन के सामने सौ गुना से भी ज्यादा था। ैसले पस्त हो गए। आखिरकार उन्होंने ये फैसला किया

कि अगर इमाम हुसैन को हराना है तो उनका पानी बंद करना पडेगा तभी इनका मुकाबला किया जा सकता है। दिन गुजरते गए और 7 मुहर्रम का दिन आ गया और साथ मुहर्रम को ही यजीदी फौज ने इमाम हुसैन के काफिले वालों पर पानी बंद कर दिया। आपको बताते चलें कि करबला के मैदान में पानी का कोई भी इंतजाम नहीं था। सेवाएं नेहरे फुरात के लेकिन साथ मुहर्रम के दिन नेहरे फुरात का पानी भी हजरत इमाम हुसैन के खेमे वाले लोगों के लिए बंद कर दिया गया। हजरत इमाम हुसैन और उनके साथ मौजूद तमाम जवान लोग तो इस प्यास को बर्दाश्त करते रहे लेकिन छोटे छोटे बच्चे और औरतों का प्यास की वजह से बुरा हाल हो चुका था। फौजी अजीत जो चारों तरफ से माम हुसैन के घर वाले और तमाम साथियों को घेरे हुई थी उन्होंने ये तय किया की अब 9 मुहर्रम के दिन इमाम हुसैन को कत्ल कर दिया जाए।

हजतएमामहुसैन ने हजरत अब्बास से कहा अब्बास जाओ यजीद की फौज के पास और उनसे कहो हमें 1 रात अल्लाह की इबादत करने के लिए दी जाए। जब हजरत अब्बास ने यजीदी फौज से 1 रात की मोहलत के लिए कहा तो उन्होंने आपकी बात मान ली। जब तक 9 मुहर्रम की तारीख आई तब तक हजरत इमाम हुसैन को ये यकीन हो चुका था कि यजीद की फौज का मकसद सिर्फ और सिर्फ मुझे शहीद करना है। इसके अलावा यजीद कुछ भी करने के लिए तैयार नहीं है। इसलिए हजरत इमाम हुसैन ने 9 मुहर्रम की रात में अपने तमाम खेमे वालों को 1 जगह पर इकट्ठा किया और आपने कहा कि ये बात तो तय हो चुकी है। यहां पर मौजूद सभी लोग 12 दिन के अंदर शहीद कर दिए जाएंगे। इसलिए यहां मौजूद आप में से जो भी अभी वापस लौटना चाहते हैं वो लौट सकते हैं। हजरत इमाम हुसैन ने फौरन खेमे में जल रहे तमाम दियों को बुझवा दिया और अंधेरा करवा दिया था ताकि जो भी जाना चाहे वो बेझझक चला जाए। थोड़ी देर बाद जब दियों को दोबारा जलवाया गया तो सारे के सारे लोग बैठे आंसू बहा रहे थे यानि कोई भी हजरत एमाम हुसैन को छोड़ कर जाने के लिए तैयार नहीं था। आखिरकार 10 मुहर्रम का दिन आया और हजरत एमाम हुसैन और यजीद की फौज के बीच जंग होना शुरू हो गई। जहाँ 1 तरफ यजीद की 1 बड़ी फौज थ तो वहीं दूसरी तरफ इमाम हुसैन के साथ सिर्फ 72 लोग थे। इतने में फौजे यजीद का हमला शुरू हो जाता है और हर शहीद शहादत का जाम पीता गया। कभी हर शहीद होते हैं तो कभी कासिम शहीद होते हैं तो कभी अली, अकबर शहीद होते हैं तो कभी आनो मोहम्मद शहीद होते हैं। 3 दिन के प्यासे इमाम हुसैन के घर वाले और तमाम अफराद यजीदी फौज से जंग करते रहे और 11 करके शहीद होते गए। हजरत अब्बास अलंबरदार से हजरत इमाम हुसैन के 6 महीने के बेटे अली सगर की प्यास नहीं देखी गई। आपने 1 मशकीजा लिया और घोड़े पर सवार होकर नहरे फुरात के किनारे पहुंच गए और आपने 1 मशकीजा भर लिया। लेकिन जब आप पानी लेकर वापस लौटने लगे तो यजीदी फौज ने आपके ऊपर लगातार तीर बरसाना शुरू कर दिया था। हजरत अब्बास जब तक हजरत इमाम हुसैन के खेमे तक पहुंच पाते तब तक यजीदी फौज ने तीर चलाकर हजरत अब्बास अलंबरदार को शहीद कर दिया था। इस तरह हजरत अब्बास अलंबरदार शहीद हो गए। इस तरह 11 करके तमाम अहले बैत के नौजवान और हाशमी शेर शहादत का जाम पी लेते हैं। धीरे धीरे करके जब हजरत इमाम हुसैन के सभी अफराद शहीद हो गए तो उसके बाद हजरत इमाम हुसैन ने खुद मैदान में तलवार लेकर निकालने का फैसला किया। इमाम हुसैन अपनी तलवार से काफी लंबे वक्त तक यजीदी फौज का अकेले मुकाबला करते रहे। हजरत इमाम हुसैन के तनहा होने के बावजूद भी आपके मुकाबले में कोई भी नहीं आना चाहता था और उसकी सिर्फ 1 ही वजह थी और वो वजह यह थी कि आप हजरत अली के बेटे थे। उस वक्त यजीद फौज के 1 कमांडर अपने साथ को ये यकीन हो चुका था कि हम किसी भी तरह से हजरत अली के बेटे का मुकाबला नहीं कर सकते।

इसलिए उसने अपने तमाम फौजियों को इमाम हुसैन के ऊपर 1 साथ हमला करने का ऑर्डर दिया। तमाम लोग हजरत इमाम हुसैन पर 1 साथ मिलकर हमला कर रहे थे। लेकिन उसके बावजूद भी इमाम हुसैन लगातार ये साबित कर रहे थे कि बातिल चाहे तादाद में कितना भी हो लेकिन वो हक और सच के मुकाबले में बिल्कुल भी टिक नहीं सकता। जब हुसैनियत और यजीदीयत के बीच बड़ी ही खतरनाक जंग चल रही थी कि इसी बीच में अचानक से नमाजी असर का वक्त हो गया। हजरत इमाम हुसैन ने ऐसे मुश्किल वक्त और ऐसी जख्मी हालत में भी असर की नमाज पढ़ने का इरादा किया। आपने जैसे ही नमाज पढ़ना शुरू किया यजीदी फौज को वो मौका मिल गया जिसका वो लोग 1 लंबे वक्त से इंतजार कर रहे थे। यानि जैसे ही हजरत इमाम हुसैन सज्दे में गए, शिमर जिल जोशन ने आप की गर्दन पर तलवार चलाकर आपके सर को जिस्म से जुदा कर दिया। हजरत इमाम हुसैन की शहादत के बाद यजीदियों ने आपके सर मुबारक। को नेजे पे रख कर पूरे कूफा में घुमाया था। आपके सर मुबारक को गली गली में घुमा कर जुलूस निकाला गया था। करबला की इस जंग में हजरत इमाम हुसैन के घर वालों में से सिर्फ आपकी 1 औलाद ही बच सकी थी जिनका नाम हजरत जैनल आपदीन था।

इसके अलावा हजरत इमाम हुसैन के घर की तमाम औरतों को कैदी बनाकर कुफा लाया गया था। भले ही उस दिन इमाम हुसैन को शहीद कर दिया गया था लेकिन आज भी हजरत इमाम हुसैन पूरी दुनिया में कयामत तक के लिए जिंदा हैं। यजीद डूब गया शाम के अंधेरो में हुसैन चमके हैं दुनिया में रौशनी की तरह। दोस्तों अगर आपको ये वीडियो पसंद आई हो तो वीडियो को लाइक करें अपने दोस्तों के साथ शेयर करे और ऐसे ही वीडियोज पाने के लिए हमारे चैनल को सबस्क्राइब कर दे। दोस्तों मिलते हैं 1 और नेक्ट वीडियो के साथ जब तक के लिए अपना और गिर 2 वाह के तमाम साथियों का ख्याल रखिएगा होदा हाफेज।

कल्याण में शेयर लेनदेन के जरिए बुजुर्ग से 19 लाख की धोखाधड़ी !

कल्याण : अगर आप ऑनलाइन शेयरों में निवेश करते हैं, तो आपको कम समय में दोगुना रिटर्न मिलेगा, यह बात कल्याण के खड़कपाड़ा इलाके के आरटीओ इलाके में रहने वाले 70 वर्षीय एक व्यक्ति ने कही। दो माह में भामटों ने इस वृद्धा से 18 लाख 90 हजार रुपए की रकम हड़प ली और न केवल आकर्षक रिफंड देकर धोखाधड़ी की, बल्कि मूल रकम भी नहीं लौटाई। आरोपियों के नाम नीलम भाटिया, आलोक चतुर्वेदी और दो अन्य हैं.

इस मामले में प्रदीप जयसवाल ने खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस ने बताया कि मई में शिकायतकर्ता प्रदीप जयसवाल के मोबाइल फोन पर आरोपी नीलम भाटिया नाम की एक अज्ञात महिला ने व्हाट्सएप पर एक छोटा सा मैसेज भेजा. यदि आप उनसे संपर्क करते हैं और ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग के माध्यम से निवेश करते हैं, तो आपको आकर्षक पुरस्कार मिलेंगे।

भाटिया ने जयसवाल को एक मैच भेजा। जयसवाल ने वह मैच खोला और अपना व्यक्तिगत और बैंक खाता विवरण भर दिया। यह जानकारी भरने के बाद, उन्हें एचडीएफसी सिक्योर 20 नामक एक एप्लिकेशन दिखाई दी। इस एप्लिकेशन के जरिए प्रदीप को पता चला कि उसके नाम पर शेयर लेनदेन के लिए एक खाता खोला गया है।

प्रदीप ने अपना गुप्त कोड दर्ज किया और पिछले दो महीनों के दौरान आरोपी के अनुसार राशि का भुगतान करके उससे लेनदेन करना शुरू कर दिया। इस तरह दो महीने में प्रदीप ने 18 लाख 90 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांजैक्शन में लगा दिए. इस रकम को वापस पाने के लिए प्रदीप ने आरोपियों से संपर्क करना शुरू कर दिया। वे अनाप-शनाप जवाब देने लगे. रिफंड न होने पर प्रदीप मूल रकम वापस करने की मांग करने लगा। आरोपी ने वह रकम भी लौटाने से इनकार कर दिया। यह महसूस होने पर कि आरोपी उसे धोखा दे रहा है, प्रदीप ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

कोहली संग

वर्ल्डकप के फाइनल में शानदार पारी खेलनेवाले विराट कोहली को लंदन बुला रहा है। असल में इन दिनों कोहली-अनुष्का के लंदन शिफ्ट होने की अटकलें काफी तेज हो गई हैं। असल में विराट के एक फैन ने विराट की एक तस्वीर शेयर करते हुए उनके लंदन पहुंचने का अपडेट दिया था। बता दें कि अनुष्का ने 2021 में अपनी बेटी वामिका के जन्म के बाद से ही लो प्रोफाइल बनाए रखा है, वहीं दूसरे बेटे अकाय के जन्म के बाद वह फिल्मों से गायब हैं। अकाय के जन्म के बाद से अनुष्का को लेकर कहा जा रहा है कि लंदन शिफ्ट होने वाली हैं। अकाय के जन्म से पहले अनुष्का और विराट ने लंदन में काफी समय बिताया। काफी वक्त बिताने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि वे वहां काफी खुश हैं। इसके बाद उन्होंने लंदन में ही रहकर अपने बेटे का स्वागत करने का फैसला किया था।

जादूगर पर जीत का नशा

मुंबई में जब टीम इंडिया की विक्ट्री परेड थी, तब जसप्रीत बुमराह को एहसास हुआ होगा कि वह कितना बड़ा काम करके लौटे हैं। भारत को टी-20 वर्ल्डकप 2024 में ऐतिहासिक जीत दिलाने में टीम के जादूगर गेंदबाज जसप्रीत का योगदान काफी अहम रहा है। बुमराह कई बार वहां से टीम इंडिया को मैच जिताए हैं, जहां से सभी ने उम्मीद छोड़ दी थी। पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप स्टेज का मैच और साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच इसका उदाहरण है। बुमराह को इसी कारण कोहली ने आठवां अजूबा तक कह दिया था। बुमराह ने पहली बार वर्ल्डकप ट्रॉफी उठाई है और इसकी खुशी वह अभी तक मना रहे हैं। अभी तक वह इस जीत के खुमार में खोए हुए हैं। बुमराह ने एक्स पर पोस्ट कर बताया है कि वह अभी तक जीत के नशे में हैं। बुमराह ने मुंबई में हुए स्वागत के लिए फैंस का शुक्रिया कहा है और लिखा है कि वह अपने सपने को जी रहे हैं। बुमराह ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, 'मैं पिछले कुछ दिनों से काफी कृतज्ञ हूं। मैं अपना सपना जी रहा हूं। इसने मुझे खुशी और कृतज्ञता से भर दिया है।'

चरित्र पर संदेह पर नवविवाहिता पत्नी की हत्या

झूठी शिकायत करने वाले पति को किया गिरफ्तार; पुणे ग्रामीण पुलिस का प्रदर्शन

मुन्ना मुजावर

पुणेः ग्रामीण पुलिस की अपराध शाखा ने एक ऐसे युवक को गिरफ्तार किया है, जिसने अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह कर उसकी हत्या करने के बाद पुलिस को झूठी शिकायत दी थी. जांच में पता चला कि पति ने बिजली के झटके से गला घोंटकर महिला की हत्या कर दी। मारी गई लड़की का नाम शीतल स्वप्निल रणपिसे (उम्र 23, निवासी रंजनगांव सैंडस, जिला शिरूर, जिला पुणे) है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक पंकज देशमुख ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इस मामले में उसके पति स्वप्निल शामराव रणपिसे (26) को गिरफ्तार किया गया है. इस संबंध में शिरूर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था. स्वप्निल उच्च शिक्षित हैं। स्वप्निल का स्वभाव शंकालु है। जब स्वप्निल की शादी की बात चल रही थी तो वह उन युवतियों के बारे में पूछता था जो शादी करना चाहती थीं। उसके शक्की स्वभाव के कारण युवतियों ने उसे अस्वीकार कर दिया। वह एक निजी आईटी कंपनी में कार्यरत है। पुलिस अधीक्षक देशमुख ने बताया कि स्वप्निल की सात महीने पहले शीतल से शादी हुई थी.

तीन जुलाई को शीतल घर में अकेली थी। उस समय ससुर शामराव, सास शारदा काम से बाहर गए हुए थे। शीतल घर में बेहोश पड़ी थी। उसके गले में रस्सी लिपटी हुई थी. पता चला कि उसका अंगूठा तार से करंट की चपेट में आ गया था। उसे तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज से पहले ही उसकी मौत हो गई. घटना की जानकारी जैसे ही पुलिस को मिली तो उन्होंने मौके का निरीक्षण किया. घर में सामान अस्त-व्यस्त था। जांच में प्रारंभिक जानकारी सामने आई कि शीतल की हत्या चोरी के इरादे से की गई है. नवविवाहिता की हत्या के मामले में पुलिस अधीक्षक पंकज देशमुख ने जांच के निर्देश दिये थे. पुलिस ने घर का सीसीटीवी फुटेज जब्त कर लिया था. स्वप्नील ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी. पुलिस ने उसकी जांच शुरू कर दी. जांच से उनका शक पुख्ता हो गया. पुलिस ने उसे पूछताछ के लिए हिरासत में लिया. फिर चरित्र संदेह के चलते उसने पत्नी की हत्या करना कबूल कर लिया।

पुलिस अधीक्षक पंकज देशमुख के मार्गदर्शन में, अतिरिक्त अधीक्षक रमेश चोपड़े, शिरूर के उपविभागीय अधिकारी प्रशांत ढोले, अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक अविनाश शिलिमकर, शिरूर के पुलिस निरीक्षक ज्योतिराम गुंजवटे, सहायक निरीक्षक राहुल गावड़े, अमोल पन्हालकर, उप निरीक्षक एकनाथ पाटिल , कांस्टेबल सचिन घाडगे, अजीत भुजबल, अतुल डेरे, राजू मोमिन, तुषार पंडारे ने यह कार्रवाई की.

पिंपरी-चिंचवड़ः प्रेमिका ने दोस्त की मदद से प्रेमी को पत्थरों से मार डाला; वीडियो वायरल हो गया

मुन्ना मुजावर

पिंपरी-चिंचवड़ : एक प्रेमिका ने अपने दोस्त की मदद से अपने प्रेमी को पत्थर से कुचलकर मारने की कोशिश की है. इस घटना का वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. यह घटना रविवार को पिंपरी-चिंचवड़ शहर के चिखली कुदलवाड़ी इलाके में हुई. घटना के संबंध में प्रेमिका के दोस्त प्रेमदास विठ्ठल चव्हाण के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और

प्रेमिका को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रेमी अब्दुल कलाम गंभीर रूप से घायल हो गए. उनका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है. पुलिस के मुताबिक, प्रेमिका और प्रेमी के बीच विवाद के चलते प्रेमिका ने अपने प्रेमी अब्दुल कलाम को पत्थर से मारकर हत्या करने की कोशिश की. यह घटना चिखली कुदालवाड़ी इलाके में हुई. शादीशुदा और गंभीर रूप से घायल प्रेमी उससे कहता था कि अपने पति और बच्चों को छोड़कर मेरे साथ रहने आ जाओ. इसके चलते उनमें अक्सर झगड़ा होता था। इससे तंग आकर उसने दोस्त की मदद से अपने प्रेमी को पत्थर से कुचलकर मारने की कोशिश की. इस वीडियो को वहां मौजूद एक शख्स ने अपने मोबाइल फोन में कैद कर लिया. यह इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना के सिलसिले में प्रेमिका और उसके दोस्त को चिखली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

संतश्रेष्ठ ज्ञानेश्वर महाराज की पालकी समारोह में सबसे पहले खड़ा रिंगन का अखाड़ा उत्साह से भरा था

जुबेर शेख

तारडगांवः संतश्रेष्ठ ज्ञानेश्वर महाराज की पालकी समारोह का प्रथम खड़ाऊं अखाड़ा सतारा के तारडगांव के चंदोबाचा लिंब में आज शाम 4:30 बजे मध्यम बारिश के बीच बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया. इस अद्भुत अलौकिक समारोह का अनुभव करते हुए लाखों वैष्णवों माऊली , ' माऊली का जाप किया, जिससे आकाश ताल मृदंग की ध्वनि से गूंज उठा।

दोपहर के भोजन के बाद संत श्रेष्ठ ज्ञानेश्वर मऊली की पालकी समारोह लोनंदा से पंढरी के लिए रवाना हुआ। फलटन तालुका में सीमा द्वार पर गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में स्वागत किया गया। इस अवसर पर आ. दीपक चव्हाण, संजीव राजे नाइक निंबालकर, कपडगांव के सरपंच, प्रांतीय मजिस्ट्रेट, तहसीलदार आदि उपस्थित थे। बाद में पालकी समारोह तारडगांव के लिए रवाना हुआ। पहले खड़े रिंगण अखाड़े के लिए चांदोबाका लिंब यहां नगरा , मांऊली के घोड़े, डिंडी चांदोबा के लिंब पर पहुंचे, चोपदार ने मौली के रथ के सामने 27 और 125 दिंडिया में खड़े अखाड़े को संभाला, दोपहर 4:30 बजे, कई आंखें देखने के लिए उत्सुक थीं हल्की और मध्यम बारिश में दौड़ते माऊली के वो घोड़े. शाम साढ़े चार बजे दोनों घोड़े उत्साहपूर्ण माहौल में एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हुए वैष्णवों के मेले में दौड़ पड़े। ये दोनों घोड़े शानदार सरपट दौड़ते हुए रथ की ओर आये। उन्होंने रथ की परिक्रमा की और पादुकाओं के दर्शन किये। इस अवसर पर घोड़ों को टीला लगाकर माला पहनाई गई, दाल गूल का भोग लगाया गया। इसके बाद घोड़ों ने फिर जोरदार दौड़ लगाई और खड़े-खड़े मैदान को पूरा किया. इस समय वारकरों ने जोर-जोर से मांऊली-मांऊली की कहकर जय-जयकार की। इस समय घोड़े के पैर की मिट्टी लगाने के लिए । लोगो की काफी गर्दी हूवी इसके बाद पालकी समारोह तारडगांव के लिए रवाना हुआ.

रेड फॉक्स आईटी इंफ्रा एलएलपी ने अंधेरी में ₹267.5 करोड़ में 22 कार्यालय इकाइयां खरीदीं

रेडब्रिक ऑफिस की सहायक कंपनी रेड फॉक्स आईटी इंफ्रा एलएलपी ने अंधेरी (पूर्व) में 267.5 करोड़ रुपये में 22 कार्यालय स्थान खरीदे। कार्यालय इकाइयाँ टाइम्स स्क्वायर बिल्डिंग के ई विंग में छठी, सातवीं और आठवीं मंजिल पर स्थित हैं। फ़्लोरटैप. कॉम द्वारा प्राप्त दस्तावेज़ों के अनुसार, वाणिज्यिक संपत्तियों के लिए बाज़ार,

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने 27 जून, 2024 को पंजीकृत सौदे को सील करने के लिए 18.90 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया।

संपत्ति का कुल क्षेत्रफल 63,733 वर्ग फुट है और साथ आता है 114 पार्किंग स्थानों के साथ, दस्तावेज़ों में कहा गया है। 2024 की दूसरी तिमाही में इंडिया ऑफिस मार्केट स्नैपशॉट के बारे में कोलियर्स इंडिया रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है कि मुंबई ने जून 2024 को समाप्त तिमाही के दौरान 3.5 मिलियन वर्ग फुट की महत्वपूर्ण लीजिंग दर्ज की, जो कि 2023 की दूसरी तिमाही में देखे गए स्तर से दोगुना है, शहर में उच्चतम वृद्धिशील तिमाही आपूर्ति भी थी। पिछले 3-4 वर्षों में.

भारतीय पत्रकार संघ (ऐआईजे) का 507 अंतर्राज्यीय पत्रकार सम्मेलन हुआ

खरगोन/ महेश्वर : भारतीय पत्रकार संघ"घ्‍ का ऐतिहासिक कार्यक्रम का महेश्वर की धरा पर हुआ समापन। खरगोन जिले के महेश्वर में हुए ऐआईजे के 507 वे अंतर्राज्यीय पत्रकार महासम्मेलन एवं सम्मान समारोह का गरीमामयी समापन हुआ।

देश भर से आए करीब 700 से ज्यादा पत्रकार सम्मानित हुए। जलकोटी रोड़ स्थित कार्यक्रम स्थल मां नर्मदा भवन में शानदार कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती की स्मृति चिन्ह पर माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना से हुई।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण भारतीय पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष रणजीतसिंह ठाकुर ने दिया। जिसके बाद विशेष वक्ता डीजीआना न्यूज के वरिष्ठ संपादक श्री प्रतीक श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में पत्रकारों के अधिकारों व उनके दौर की उत्कृष्ठ पत्रकारिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आज की पत्रकारिता बहुत बुरे दिनों से गुजर रही है। ऐसे में खरगोन और महेश्वर सहित देशभर में भारतीय पत्रकार संघ के ऐसे आयोजन करना निश्चित ही सराहनीय है। आपसे देशभर के पत्रकार प्रेरणा ले रहे है। आज पत्रकारों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य मुख्य चुनौती है, ऐसे में ऐआईजे शिक्षा स्वास्थ्य के लिए बेहतरीन तरीके से कार्य कर रहा है। इसके लिए उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विक्रम सेन को मंच से साधुवाद दिया। उन्होंने आगे बताया कि पत्रकार अपने अधिकारों को पहचाने और जरूरत पड़ने पर बड़े से बड़े नेता प्रशासनिक अधिकारी की आंख में आंख डालकर प्रश्न पूछ सके। पत्रकारों से खचाखच भरे हुए आयोजन स्थल पर कार्यक्रम के विशेष अतिथि श्री हेमंत पाल ने अपने विचार व्यक्त किए और सदैव पत्रकारों के हितों की सुरक्षा करने की बात कही, उन्होंने पूरी राष्ट्रीय, जिला एवं महेश्वर की आयोजन समिति को बधाई और साधुवाद दिया।

श्री रमन रावल साहब ने अपने वक्तव्य में आंचलिक पत्रकारिता को सुदृढ़

और मजबूत बनाने की बात की उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पत्रकारिता के मुकाबले आंचलिक पत्रकारिता करना, ग्रामीण पत्रकारिता करना और कस्बाई पत्रकारिता करना ज्यादा चुनौतीपूर्ण और कठिन रहा है। पत्रकारों को बोलने के साथ साथ लिखने पर ज्यादा जोर देने की बात कही। कार्यक्रम में कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में एसडीएम श्री जैन ने नए कानून को लेकर पत्रकारों को संबोधित किया।

वही मंचासिन एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विक्रम सेन जो अपने विशाल हृदय और बेबाकी के लिए जाने जाते है उन्होंने कार्यक्रम का समा बांधते हुए कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों को मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में पत्रकारो के सम्मान के पश्चात स्नेहभोज हुआ। जिसमे लगभग 700 से अधिक पत्रकारों एवं अतिथियों ने एक साथ भोजन ग्रहण किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गजेंद्र सिंह पटेल सांसद खरगोन भोपाल से वर्चुअल रूप से कार्यक्रम से जुड़े और पत्रकारों के लिए अपना उद्बोधन दिया व कार्यक्रम में उपस्थित नही हो पाने का खेद जताया।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि गजराज यादव, एसडीएम अनिल जैन, तहसीलदार राकेश सस्तिया, सीएमओ लक्ष्मण सिंह, सीएमओ मनोज शर्मा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में श्री मनोहर मंडलोई राष्ट्रीय महासचिव, श्री अजीजुद्दीन शेख राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री संदीप जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष यूथ विंग, प्रदेश अध्यक्ष श्री किशोर कुमार दग्धी, सुश्री पल्लवी प्रकाशकर राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला विंग उपस्थित रहे।

NCP के शरद चंद्र पवार पार्टी का विरोध आंदोलन

पुणे एयरपोर्ट का नया टर्मिनल नहीं खुलने पर आक्रामक रुख

मुन्ना मुजावर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव को सामने रखते हुए मार्च महीने में पुणे एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन किया था. इन्हीं दिखावे के दम पर चुने गए पुणे के सांसद बाद में देश के नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री बने। हालाँकि, जिस नए टर्मिनल का उद्घाटन किया गया वह वास्तव में अभी तक शुरू नहीं हुआ है। इसके विरोध में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की शरद चंद्र पवार पार्टी की ओर से पुणे हवाईअड्डे के प्रवेश द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया गया.

पार्टी के शहर अध्यक्ष प्रशांत जगताप ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च महीने में पुणे एयरपोर्ट पर ऑनलाइन टर्मिनल का उद्घाटन किया था. लेकिन यह अभी तक शुरू नहीं हुआ है. पुणे जिले में चार लोकसभा सीटें हैं, इसे ध्यान में रखते हुए बीजेपी ने लोकसभा चुनाव से पहले आनन-फानन में इसका उद्घाटन कर दिया है. लेकिन, चार माह बाद भी यह शुरू नहीं हो सका। उम्मीद थी कि पुणे शहर के सांसद मुरलीधर मोहोल नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री बनने के बाद जल्द ही इस मुद्दे का समाधान करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हम बीजेपी के कुप्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं. पुणे एयरपोर्ट प्रशासन को जागना चाहिए. लिखित पत्र देने के बाद कि हम विरोध करेंगे, हवाईअड्डा प्राधिकरण ने जल्दबाजी में घोषणा की कि हम 14 जुलाई को पुणे टर्मिनल खोल रहे हैं। हम उन्हें चेतावनी देते हैं कि उनके द्वारा दी गई तारीख फर्जी है।' अगर 14 जुलाई को एयरपोर्ट अथॉरिटी ने नया टर्मिनल शुरू नहीं किया तो हम सड़क जाम कर प्रदर्शन करेंगे. पुणे शहर के विकास में बाधक यह बाधा परेशान करने वाली है.

यह बाधा परेशान करने वाली है.

इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने जवाब दो, जवाब दो, मुरलीधर मोहोल जवाब दो, पुणेकर का काम करो या कुर्सी खाली करो, झूठ बोलो, भाजपा हो गई है पोल, जैसे जोरदार नारे लगाए।

पुणे शहर में पिछले साल से कानून-व्यवस्था बिगड़ी हुई है. हिट एंड रन, नशीले पदार्थ, कोयता गैंग, गोलीबारी जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। इसकी परिणति यह है कि पिछले दो दिनों में पुलिस अधिकारियों को जिंदा जलाने की कोशिश, पुलिसकर्मियों को कुचलने और फरार होने जैसी घटनाएं हुई हैं. राज्य के गृह मंत्री देवेन्द्र फड़णवीस की निष्क्रियता एक बार फिर उजागर हो गई है क्योंकि पुलिस खुद सुरक्षित नहीं है। एनसीपी शरद चंद्र पवार पार्टी ने भी निष्क्रिय गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए पुणे कलेक्टरेट के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

भयानक! ड्राइवर की लापरवाही से पर्यटक बस दुर्घटनाग्रस्त; यात्री के मोबाइल फोन में कैद हुआ चौंकाने वाला नजारा!

शाकिर शेख

नासिकः गुजरात के डांग जिले के सापुतारा घाट पर रविवार शाम एक निजी पर्यटक बस के खड्ड में गिर जाने से दो बच्चों की मौत हो गई. एक मालवाहक वाहन को पार करते समय ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और बस किनारा तोड़ते हुए घाटी में जा गिरी. इस बस में करीब 70 यात्री सवार थे. ये सभी यात्री सूरत के रहने वाले बताए जा रहे हैं. चूँकि सापुतारा गुजरात राज्य का एक पर्यटन स्थल है और नासिक जिले की सीमा से लगा हुआ है, इसलिए यहाँ हर शनिवार और रविवार को भारी भीड़ होती है। फिलहाल बारिश से इलाके की प्रकृति खिल उठी है. इस कारण यहां पर्यटकों की भीड़ अधिक रहती है। सूरत से पर्यटकों को लेकर आ रही एक निजी बस रविवार शाम करीब पांच बजे लौटते समय सापूतारा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर रेलिंग तोड़ दी। जब एक मालवाहक वाहन गुजर रहा था तो सामने से आ रहे टेंपो से बचने की कोशिश में चालक ने बस से नियंत्रण खो दिया। हादसे में आठ साल के लड़के और 10 साल की लड़की की मौत हो गई। पांच यात्रियों की हालत गंभीर है. हादसे के बाद स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा और राहत कार्य शुरू किया. सूचना मिलते ही सापुतारा से कई एंबुलेंस और पुलिस टीम भी पहुंची. घायलों को गुजरात के शामगावां के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है.

जाली दस्तावेजों के जरिए 42 बांग्लादेशियों के पास थे भारतीय पासपोर्ट; दलालों की तलाश है

मुन्ना मुजावर

पुणेः एक जांच में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि पिंपरी-चिंचवड़ शहर क्षेत्र में अवैध रूप से रहने वाले 42 बांग्लादेशी नागरिकों ने जाली दस्तावेजों के जरिए भारतीय पासपोर्ट हासिल किया है। पिंपरी पुलिस ने पासपोर्ट कार्यालय से संपर्क किया और 42 लोगों के पासपोर्ट रद्द कर दिए। इस मामले में संबंधित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और पासपोर्ट में मदद करने वाले दलाल की तलाश शुरू कर दी गई है. पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस की विशेष शाखा की एक टीम ने निगडी के साईनाथनगर इलाके में अवैध रूप से रह रहे पांच बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया. जांच के दौरान उसके पास भारतीय पासपोर्ट मिला। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है. तब खुलासा हुआ था कि पांच बांग्लादेशी नागरिकों ने दलालों के माध्यम से फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारतीय पासपोर्ट हासिल किया था। इसके बाद पुलिस ने पूछताछ की. उस समय, यह पता चला था कि पिंपरी शहर में अवैध रूप से रहने वाले 42 नागरिकों ने जाली दस्तावेजों के माध्यम से पुणे के पासपोर्ट कार्यालय से भारतीय पासपोर्ट प्राप्त किए थे, पुलिस उपायुक्त डॉ. शिवाजी पवार द्वारा दिया गया। पिंपरी पुलिस के आतंकवाद-रोधी दस्ते के साथ-साथ विशेष शाखा ने 42 बांग्लादेशी नागरिकों के पासपोर्ट रद्द करने के लिए कार्रवाई शुरू की, जब यह पता चला कि उन्होंने फर्जी पासपोर्ट प्राप्त किए थे। पुणे में पासपोर्ट कार्यालय ने हाल ही में 42 बांग्लादेशी नागरिकों के भारतीय पासपोर्ट रद्द कर दिए हैं। पुलिस आयुक्त विनय कुमार चौबे, अतिरिक्त आयुक्त वसंत परदेशी, उपायुक्त स्वप्ना गोरे, डॉ. शिवाजी पवार के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक नितिन लांडगे, सहायक निरीक्षक अंबरीश देशमुख ने यह कार्रवाई की.

: एक दलाल खोजें जो आपके पासपोर्ट में आपकी मदद कर सके

राकी उर्फ डेबिट रॉय, जिकू दास उर्फ जय चौधरी ने पिंपरी शहर क्षेत्र में अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों को पासपोर्ट दिलाने में मदद की। रॉय और चौधरी बांग्लादेशी हैं. वह पुणे और गोवा में रहते हैं। पुणे के चंदननगर इलाके के दलाल साईनाथ येलवाड ने बांग्लादेशी नागरिकों को पासपोर्ट दिलाने में मदद की. बांग्लादेशी घुसपैठिए भारत आने के बाद सबसे पहले फर्जी दस्तावेजों के जरिए आधार कार्ड, पैन कार्ड हासिल करते हैं। सूत्रों ने बताया कि वे इन दस्तावेजों का उपयोग करके भारतीय पासपोर्ट प्राप्त करते हैं।

मई में मुंबई के बोरीवली पुलिस स्टेशन में ब्रोकर साईनाथ येलवाड के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। बोरीवली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 20 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है.

गढ़चिरौली में फिर करोड़ों का प्लॉट घोटाला

फर्जी सहमति के आधार पर बहन-भाई गिरफ्तार...

सुनील इंगोले

गढ़चिरौली में फिर करोड़ों का प्लॉट घोटाला; फर्जी सहमति के आधार पर बहन-भाई गिरफ्तार...

गढ़चिरौलीः नगर नियोजन विभाग के सहायक निदेशक की हत्या मामले में गिरफ्तारी के बाद जिले में प्लॉट घोटाला चर्चा में है. इसी तरह शहर में करोड़ों रुपये के प्लॉट घोटाले का मामला सामने आया है. फर्जी सहमति के आधार पर एन.ए. गढ़चिरौली पुलिस ने लाइसेंस प्राप्त कर धोखाधड़ी कर प्लॉट एक-दूसरे को बेचने के आरोप में भाई-बहन को 8 जुलाई को गिरफ्तार किया था.

शिकायतकर्ता का नाम ठेकेदार नागनाथ किसनराव भुसारे (सैमंदिरा के पास, चामोर्शी रोड, गढ़चिरौली) है। आरोपियों में जयश्री आनंद चंद्रिकापुरे (बाकी. गढ़चिरौली) और विशाल कुमार चंद्रकांत निकोसे (बाकी. गढ़चिरौली, हमू. हिंगणा जिला. नागपुर) शामिल हैं। ठेकेदार भुसारे की शिकायत के अनुसार शहर के सोनापुर के सर्वे नं. सुरेश नानाजी नैताम और अन्य संयुक्त किसानों से 18/1 में 0.51.59 हेक्टेयर आर भूमि की खरीद का सौदा भुसारे ने जयश्री चंद्रिकापुरे और विशालकुमार निकोसे के साथ संयुक्त रूप से किया था। इस जमीन की रजिस्ट्री के लिए पैसे कम पड़ रहे थे तो भाई-बहन भुसारे और मनोज प्रभुदास सूचक से मिले और प्रस्ताव रखा कि आप फिलहाल रजिस्ट्री की रकम चुका दें और हम भाई-बहनों को हिस्सेदार बनाए रखें. भुसारे और सूचक इस पर सहमत हो गये. भुसारे ने 24 लाख और सुचक ने 24 लाख 13 हजार रुपये कुल 48 लाख 13 हजार रुपये मुहैया कराये.

रजिस्ट्री 23 अगस्त 2022 को द्वितीय रजिस्ट्रार कार्यालय में की गई थी। 7/12 में मूल मालिक का नाम कम कर दिया गया और जयश्री चंद्रिकापुरे, विशालकुमार निकोसे, मनोज सुचक और नागनाथ भुसारे जैसे चार के नाम जोड़े गए। हालांकि, बाद में बिना सहमति के भाई-बहन एक साथ हो गए

यहां प्लॉट को ध्वस्त कर 40 लाख रुपये प्रति प्लॉट के हिसाब से बेचना शुरू कर दिया। इसके लिए आरोप लगाया गया है कि इन दोनों ने भुसारे और सूचक दोनों के फर्जी बंधक विलेख को गढ़चिरौली मुख्य अधिकारी को सौंप दिया और प्रस्ताव टाउन प्लानिंग विभाग को सौंप दिया। भुसारे, सुचक समेत प्लॉटधारकों को फर्जीवाड़ा कर धोखा देने की शिकायत पर 4 जुलाई को जयश्री चंद्रिकापुरे और विशाल कुमार निकोसे के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 465, 467, 468, 471, 420, 34 के तहत मामला दर्ज किया गया था। शेयर शेयरिंग के बिना आपसी प्लॉट बिक्री समझौते। उसके बाद पी.नं. अरुण फेगड़े ने जांच तेज कर दी. दोनों भाई-बहनों को 8 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था।

अधिकारियों को अभय?

इस बीच इस मामले में सवाल खड़ा हो गया है कि जब भाई-बहन ने जमीन पर खेती नहीं करने का प्रस्ताव दिया तो नगर नियोजन विभाग ने संलग्न फर्जी सहमति को मंजूरी कैसे दे दी. मंजूरी देने वाला प्राधिकारी अभी भी स्वतंत्र है। सवाल खड़ा हो गया है कि क्या पुलिस जांच में उनसे पूछताछ होगी

टास्क की अमीषा द्वारा साढ़े बारह लाख का ऑनलाइन घोटालाः कोंढवा पुलिस स्टेशन, पुणे में अपराध

मुन्ना मुजावर– एक युवक को शुरू में एक निश्चित राशि का लाभ देकर यह लालच दिया गया कि यदि वह दिए गए विभिन्न कार्यों को एक निश्चित समय के भीतर पूरा करेगा तो उसे अच्छा लाभ मिल सकता है, जिससे उससे साढ़े बारह लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी की गई है। इस मामले में कुमार मयंक (उम्र-36) ने नेहा गुप्ता, एक व्हाट्सएप ग्रुप, दो टेलीग्राम आईडी धारकों और वेब पोर्टल उपयोगकर्ताओं और बैंक खाता धारकों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। उक्त घटना 20/6/2024 से 24/6/2024 के बीच हुई और पुलिस ने देर से मामला दर्ज किया है। आरोपी नेहा गुप्ता नाम की लड़की ने शिकायतकर्ता से संपर्क किया और उसे घर से काम करने का लालच दिया। उन्होंने शुरू में यह कहकर कि उन्हें काम पूरा होने पर अच्छा मुनाफा मिलेगा, थोड़ी सी राशि देकर उनका विश्वास हासिल कर लिया, फिर उन्हें प्रदान किए गए यूपीआई आईडी लिंक के साथ विभिन्न बैंक खातों में कुल 12 लाख 54 हजार रुपये का भुगतान करने के लिए मजबूर किया। आरोपियों द्वारा 9 हजार रुपए बनाकर शेष 12 लाख 45 हजार रुपए जमा करा लिए गए हैं। इस संबंध में आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक एस डिगोले कर रहे हैं.

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)